प्रेस विज्ञप्ति

इरेडा के सीएमडी ने सीईए कॉन्क्लेव में 2047 तक भारत के ऊर्जा परिवर्तन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मार्ग की रूपरेखा बताई

नई दिल्ली, 14 अक्टूबर 2024

भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, श्री प्रदीप कुमार दास ने आज केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) द्वारा आयोजित विचार-मंथन कॉन्क्लेव में दो पैनल चर्चाओं में भाग लिया। इस कॉन्क्लेव में "वर्ष 2047 तक भारतीय विद्युत क्षेत्र परिदृश्य" को आकार देने के बारे में ध्यान केंद्रित किया गया, जहाँ सीएमडी ने " वर्ष 2047 तक ऊर्जा परिवर्तन का वित्तपोषण" और "वर्ष 2047 तक अक्षय ऊर्जा के लिए क्षमता योजना और नियामक फ्रेमवर्क" विषयों के बारे में संबोधित किया।

इस चर्चा के दौरान, श्री दास ने इथेनॉल, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, बैटरी स्टोरेज, पंप स्टोरेज, फ्लोटिंग सोलर, ग्रीन हाइड्रोजन और ग्रीन अमोनिया जैसी नवीन अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने और उन्हें वित्तीय रूप से व्यवहार्य बनाने में इरेडा की अग्रणी भूमिका के बारे में रेखांकित किया । उन्होंने "डीएएस" सिद्धांत: निवेशकों का अनुशासन, ऋणदाताओं का रवैया और केंद्र और राज्य सरकारों के साथ-साथ आरबीआई और सेबी जैसी नियामक संस्थाओं द्वारा नीतियों का सरलीकरण को अपनाने के महत्व पर जोर दिया । इस दृष्टिकोण ने इरेडा को वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन ऊर्जा प्राप्त करने के लिए भारत सरकार के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान करने की अनुमति दी है।

'ग्रीन टैक्सोनॉमी' के बारे में चर्चा करते हुए, श्री दास ने अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को "ग्रीन" के रूप में स्पष्ट रूप से परिभाषित करने का आह्वान किया, जोकि निवेशकों के विश्वास को प्रोत्साहित करेगा और जलवायु वित्तपोषण को वास्तव में हरित परियोजनाओं के लिए निर्देशित करेगा । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों के साथ यह संरेखण भारत के अक्षय ऊर्जा क्षेत्र को और अधिक मजबूत करेगा।

श्री दास ने यह भी बताया कि एक व्यापक अनुमान के अनुसार, भारत को ऊर्जा स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए वर्ष 2047 तक लगभग ₹285-345 लाख करोड़ के निवेश की आवश्यकता होगी । इसलिए, इरेडा और अन्य कंपनियों के लिए अक्षय ऊर्जा वित्तपोषण के लिए पर्याप्त व्यावसायिक अवसर उपलब्ध हैं।

एक समर्पित, पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी के साथ, इरेडा का लक्ष्य खुदरा अक्षय ऊर्जा बाजार बी2सी खंड में अपनी सेवाओं का विस्तार करना है, जिसमें लघु और मध्यम उद्यम (एसएम ई), एमएसएमई और स्टार्ट-अप शामिल हैं। यह एक सतत अक्षय ऊर्जा भविष्य के लिए आवश्यक वित्तीय पारिस्थितिकी प्रणाली का समर्थन करेगा। इस खुदरा बाजार में अक्षय ऊर्जा वित्तपोषण के लिए अपनी विशेषज्ञता का विस्तार करके, इरेडा द्वारा शहरी और ग्रामीण दोनों उपभोक्ताओं के लिए अभिनव वित्तपोषण का विकल्प प्रदान किया जाएगा , जिससे टिकाऊ प्रणालियों को बढ़ावा मिलेगा और कार्बन फुटप्रिंट को कम किया जाएगा।